136. निम्नलिखित मारवाड़ के शासकों में से किसे मारवाड़ का 'महाराणा प्रताप' भी कहा जाता है?

(a) राव चन्द्रसेन (b) राव मालदेव
(c) राव जोधा (d) राजा उदयसिंह

RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. मुगलों से निरंतन संघर्ष में रहने वाले मारवाड़ (जोधपुर) के शासक का नाम बताइए।

(a) मालदेव (b) चन्द्रसेन
(c) उदयसिंह (d) जसवन्तसिंह

Prayogshala Sahayak (Geography)-30.06.2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. मारवाड़ के चन्द्रसेन ने मुगलों से संघर्ष के लिए किस स्थान पर सेना को संगठित किया?

(a) भाद्राजूण (b) लोहावट
(c) काणूजा (d) खरातल

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (a) – मारवाड़ के शासक चन्द्रसेन ने मुगलों के नियंत्रण में शासन करने से इन्कार कर दिया तथा 'भाद्राजूण' (वर्तमान जालौर जिला) नामक स्थान पर सेना को संगठित किया था।

139. मोटा राजा ने अपनी पुत्री ''जगत-गुसाई'' का विवाह किस मुगल युवराज से किया?

(a) सलीम (b) बहादुरशाह
(c) खुर्रम (d) सदावत खाँ

RPSC-2022
RPSC ARO/AARO 2022 GK & Horticulture

Ans. (a) : मोटा राजा उदयासिंह को अकबर ने मारवाड़ की गद्दी पर बैठाया (1583ई0) अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए उदय सिंह ने अपनी पुत्री मानबाई ऊर्फ 'जगत-गोसाई' का विवाह सलीम से कर दिया। मानबाई ही जोधावाई कहलाती थी। उदयसिंह मारवाड़ के प्रथम शासक थे जिन्होंने अकबर की अधीनता स्वीकार कर वैवाहिक सम्बन्ध स्थापित किये।

140. जोधपुर के किस शासक को अकबर ने 'सवाई राजा' की उपाधि प्रदान की थी?

(a) मोटा राजा उदयसिंह (b) महाराज गजसिंह
(c) राव सूरसिंह (d) जसवंतसिंह - I

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (c) – सवाई राजा सूरसिंह (1595–1619 ई.)

- मोटा राजा उदयसिंह की मृत्यु के पश्चात् मुगल सम्राट अकबर ने सूरसिंह को उत्तराधिकारी घोषित किया।
- सन 1604 ई. में अकबर ने इन्हें 'सवाई राजा' की उपाधि प्रदान की।

141. जहाँगीर ने 'दल खम्बन' या सेना के नियंत्रक की उपाधि दी थी-

(a) सूर सिंह (b) गज सिंह
(c) मलिक अंबर (d) मनोहर दास

RPSC Librarian Gr-III 11-09-2022 Shift-I

Ans. (b) : जहाँगीर के बीजापुर एवं कंधार अभियानों में महाराजा गज सिंह राठौर ने अपनी वीरता का परिचय दिया। जहाँगीर इनकी वीरता से प्रसन्न होकर इन्हें 'दल खम्बन' की उपाधि दी। दल थम्मन का अर्थ- समूह को रोककर रखने वाला।

142. खजवा युद्ध (1659 ई.) में औरंगजेब का साथ किसने दिया-

(a) जसवन्त सिंह (b) कर्ण सिंह
(c) जय सिंह (d) भीम सिंह

JEN Civil Diploma (Tsp Area) 16.10.2016

Ans. (a) – इलाहाबाद के निकट खजवा का युद्ध 1659 ई. में औरंगजेब और उसके भाई शाहशुजा के बीच हुआ जिसमें औरंगजेब की विजय हुई। इस युद्ध में मारवाड़ के राजा जसवन्त सिंह ने औरंगजेब का साथ दिया था।

143. सामूगढ़ के युद्ध में दारा की पराजय का समाचार मिलते ही किस राजपूत शासक ने औरंगजेब की अधीनता स्वीकार की?

(a) महाराणा राजसिंह (b) महाराज जसवंतसिंह
(c) राव रतन राठौड़ (d) मिर्जा राज जयसिंह

Puskalyadyaksh Grade III 2018 Exam-19.09.2020

Ans. (b) : औरंगजेब और दाराशिकोह के मध्य आगरा के निकट सामूगढ़ के पास 30 मई 1658 को युद्ध हुआ। इसमें औरंगजेब विजयी हुआ। इस युद्ध के पश्चात् जोधपुर शासक महाराजा जसवंत सिंह ने औरंगजेब की अधीनता स्वीकार की। मुगल बादशाह शाहजहाँ ने 1656 में इन्हें 'महाराजा' की उपाधि से सम्मानित किया था।

144. महाराणा राज सिंह ने मारवाड़ के किस शासक को मुगलों के विरुद्ध आश्रय दिया?

(a) जसवन्त सिंह (b) अजीत सिंह
(c) अनूप सिंह (d) अभय सिंह

Junior Instructor Welder Dt. 26.03.2019

Ans. (b) : मेवाड़ के शासक राजसिंह ने मारवाड़ के वंशज अजीत सिंह को मुगलों के विरूद्ध आश्रम प्रदान किया था। मारवाड़ के शासक जसवन्त सिंह की मृत्यु के बाद अल्प वयस्क पुत्र अजीत सिंह को दुर्गादास राठौर मारवाड़ का शासक बनाना चाहता था, लेकिन मुगल शासक औरंगजेब इस फैसले के विरूद्ध था।

- अजीत सिंह ने मुगलों के विरूद्ध विद्रोह कर दिया तथा मेवाड़ के शासक राजसिंह ने मुगलों के विरूद्ध अजीत सिंह को आश्रय प्रदान किया था।

145. मारवाड़ के अजीतसिंह महाराजा............के पुत्र थे।

(a) जसवन्तसिंह I (b) इन्द्रसिंह
(c) अभयसिंह (d) दुर्गादास

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (भौतिक) भर्ती परीक्षा-2019

Ans. (a) – मारवाड़ के अजीत सिंह (1679-1724 ई.) महाराजा जसवंत सिंह प्रथम (1638-78 ई.) के पुत्र थे। अजीत सिंह के बाद मारवाड़ के शासक अभय सिंह (1724-1749), रामसिंह (1749-1751) तथा बख्त सिंह (1751-1752) हुए।

146. मारवाड़ में किस शासक का पालन पोषण गोरा धाय ने किया-जिसे मारवाड़ की पन्नाधाय भी कहा जाता है?

(a) जसवंतसिंह (b) अजीतसिंह
(c) अभयसिंह (d) रामसिंह

कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (विष)-2019